पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने गिरिजा देवी के निधन पर दुःख व्यक्त किया
सांस्कृतिक नगरी वाराणसी की सशक्त हस्ताक्षर थी गिरिजा देवी -श्री नाईक

लखनऊः 25 अक्टूबर, 2017

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने प्रख्यात शास्त्रीय गायिका पद्मविभूषण गिरिजा देवी के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है।

राज्यपाल ने अपने शोक सन्देश में कहा है कि प्रदेश के वाराणसी जनपद में जन्मी श्रीमती गिरिजा देवी ने भारतीय शास्त्रीय संगीत में ठुमरी, कजरी, चैती, ख्याल आदि कला को ऊंचाइयों पर पहुंचा कर उसको गौरवान्वित किया है। उन्हें अनेक पुरस्कारों सहित 1972 में पद्मश्री, 1989 में पद्म भूषण तथा 2016 में पद्म विभूषण से अलंकृत किया गया। वे केवल एक गायिका ही नहीं थी बल्कि विदुषी थी, जो संगीत के क्षेत्र में पारगंत थी और अपने पीछे शिष्य एवं शिष्याओं की लम्बी श्रृंखला छोड़ गई हैं। राज्यपाल ने कहा कि वे सांस्कृतिक नगरी वाराणसी के लिये एक सशक्त हस्ताक्षर थीं। उन्होंने कहा कि 3 अक्टूबर, 2017 को वाराणसी में एक पुस्तक लोकार्पण समारोह में गिरिजा जी का अभिनन्दन करने का भाग्य मिला था, पर यह नहीं पता था कि वह अन्तिम भेंट होगी। श्री नाईक ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए दुःखी परिजनों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की है।

अंजुम/ललित/राजभवन (405/25)